बारह शब्द आज के

नैयर आलम, बिहार राज्य प्रमुख

Pratham

"कल तुमने यहीं बोरा बांधने के लिये रस्सी के कई टुकड़े किये थे, बताओ रस्सी के टुकड़े कैसे किये थे?"

बबली झट से बोली, "चाकू से।"

सिमी फिर पूछी, "चाकू को अंग्रेजी में क्या कहते हैं?"

बबली थोड़ी देर कुछ सोचने लगी, अचानक हँसते हुए बोली, "नाईफ!" बोलकर वह झट से अपनी कॉपी में लिखने लगी।

तभी कुछ दूर बैठी आशा बोली, "सिमी, अभी तुमने अपने भाई के गाल में क्या किया?"

सिमी बोली, "कुछ नहीं।"

"नहीं, तुमने कुछ किया!"

सिमी बोली, "वो अच्छा! मैंने तो अपने भाई को मीठी दिया।"

"बताओ इसे अंग्रेजी क्या कहते हैं?"

सिमी बोली, "इसे पप्पी कहते हैं, वो नहीं इसे किस्सी कहते हैं।" यह सुनकर सभी बच्चे हँसने लगे।

यह सारी बातें पटना से लगभग 300 KM दूर सुपौल जिला के किशनपुर प्रखंड के एक छोटे से गाँव सिसौनी में हो रही थी। सुबह का समय था। कई दिनों से बादलों के पीछे छुपे रहने के बाद आज हल्की धूप खिली थी। मौसम सर्द था, ठंडी–ठंडी हवा चल रही थी। खेतों में सरसों के फूल लहलहा रहे थे। चारों तरफ दूर–दूर तक जिधर भी देखो मानो धरती हरी और पीले रंग के चादर ओढ़ी बैठी है।

दिन के लगभग 12 बजने को आए थे। मैं और मेरे साथी पगडंडियों से होते हुए गाँव की ओर बढ़ने लगे। गाँव के पास अभी पहुँचे ही थे कि पीछे से हँसने

की आवाज आई। किसी ने कहा, "आप लोग उधर कहाँ जा रहे हैं? आप लोग दूसरे वाले रास्ते से आएँ।" यह रूपम कुमारी की आवाज थी। रूपम, स्नातक उत्तीर्ण छात्रा हैं। शादी के बाद वह अपने गाँव में ही एक जीविका समूह की सदस्य बनी, फिर कुछ दिनों बाद कमाल VO की CM (कम्यूनिटी mobilizer) बनी, जिसके तहत 11 स्वंय सहायता समूह आते हैं।

रूपम की अगुआई में हम लोग गाँव में पहुँचे। एक जगह जहाँ चारों तरफ से पक्के घर बने हुए थे और बीच में खाली जगह थी, जिसमें नीचे एक बड़ी से दरी बिछी हुई थी, और ऊपर से हल्की–फुल्की धूप आ रही थी। कुछ बच्चे अपनी–अपनी कॉपियों में चित्र बना रहे थे। हम लोगों को देखते ही सभी बच्चों ने जोर से कहा, "Good morning!" फिर सभी बच्चे अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाते हुए एक साथ उंगलियों को हवा में लहराने लगे। कभी उंगलियों को बंद करते तो कभी उंगलियों खोलने लगते। यह सब हमारे स्वागत के लिए हो रहा था।

हमने धन्यवाद दिया और बच्चों से पूछा, "आप लोग अभी अपनी–अपनी कॉपियों में क्या कर रहे थे?"

सूरभि बोली, "यह लोग डिक्शनेरी बना रहे हैं।" सूरभि आनंद, कक्षा 10 की छात्रा है। वह पिछ्ले एक माह से अपने गाँव के 11 बच्चों के साथ Fun with English कैम्प चला रही है।

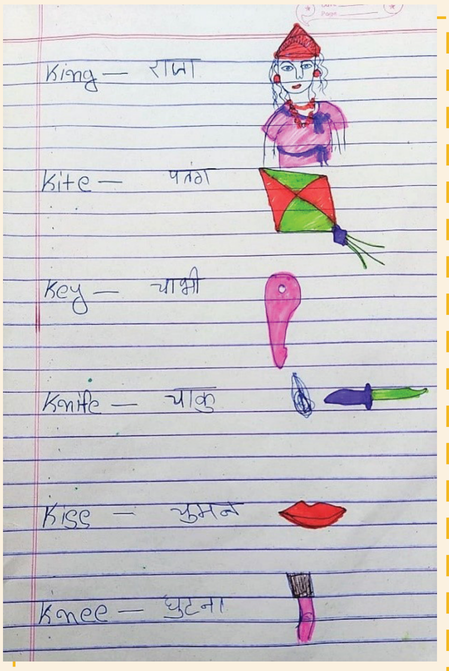

आज सभी बच्चे K से शब्द बना रहे थे। बच्चों को K से शुरू होने वाले शब्द मिलने में दिक्कत हो रही थी। तभी सूरभि ने इशारा करते कहा, "घुटने को अंग्रेजी में क्या कहते हैं?"

लक्ष्मी और नुतन एक साथ बोली, "Knee कहते हैं!" सूरभि ने फिर पूछा, "मम्मी जहाँ खाना बनाती हैं उसे क्या कहते हैं?"

कृष्णा बोला, "चुल्हा!"
बबली बोली, "रसोई घर",
नंदनी ने दबी आवाज में कहा, "Kitchen"
सभी बच्चों ने नंदनी के लिए ताली बजाई! यह सिलसिला कुछ देर तक चलता रहा और देखते–देखते Knee, Knife, King, Key, Kiss, Kitchen, और कई शब्द बनने लगे। मैंने आगे बात जारी रखी, "आज K से शुरू होने वाले कितने शब्द बने?"
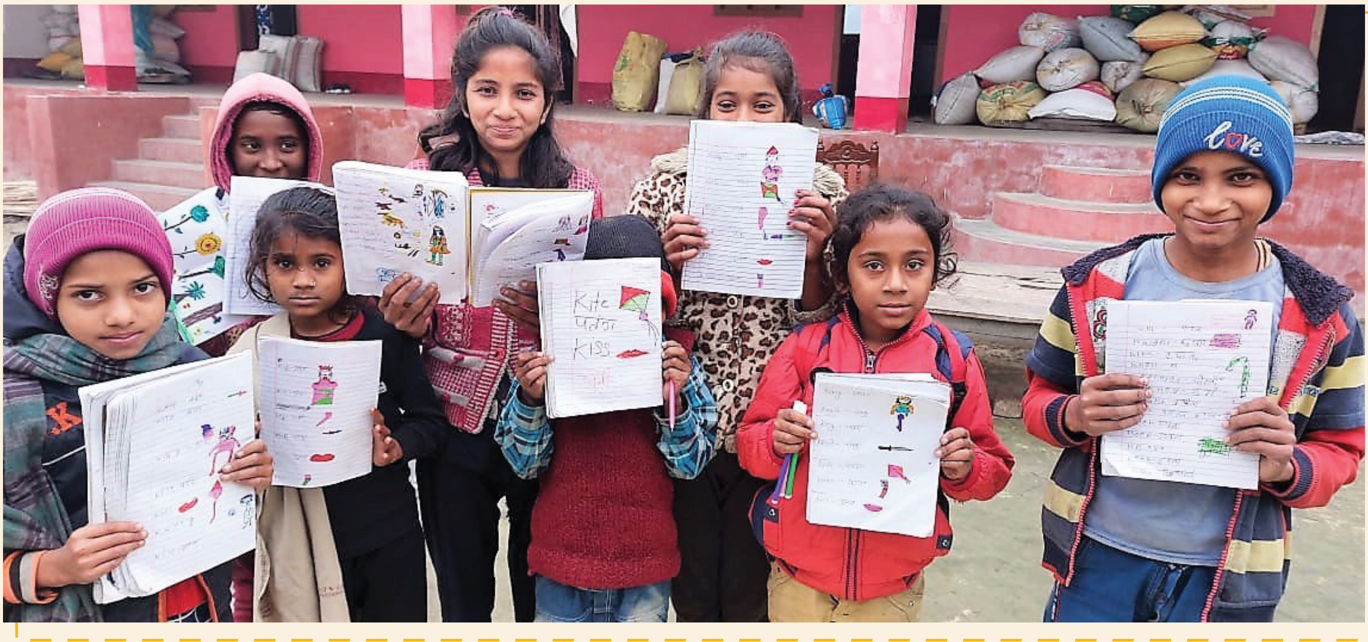
आवाज आई, "9.. नहीं नहीं 11", फिर सभी बच्चे एक दूसरे की कॉपियों में गिनने लगे। मैंने एक बार फिर पूछा, "आज हम लोगों ने जितने शब्द लिखे उनसे हमारी जानकारी बढ़ी होगी।"
सभी ने कहा, "हाँ!"
"तो बताओ जानकारी को अंग्रेजी में क्या कहते हैं?"
सूरभि झट से बोली, "Knowledge!"